पाटन पटोला

हाल ही में G-20 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री ने इटली के प्रधानमंत्री को **पाटन पटोला** स्कार्फ़ भेंट स्वरूप प्रदान किया।

पाटन पटोला:

- पटोला एक **दोहरे इकत से बुना हुआ कपड़ा** है, जो आमतौर पर **पाटन (उत्तरी गुजरात)** में रेशम से बनाया जाता है।
    - **इकत,** बुनाई से पहले ताने और बाने के धागों की प्रतिरोध रंगाई से बनते हैं।
- इसे वर्ष 2013 में भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिला था।
- शुद्ध रेशम में बुने गए दोहरे इकत या पटोला की प्राचीन कला 11वीं शताब्दी की है।
- इस विशिष्ट गुणवत्ता की उत्पत्ति बुनाई से पहले ताने और बाने पर अलग-अलग रंगाई या गाँठ रंगाई की एक जटिल और कठिन तकनीक में होती है, जिसे 'बंधनी' के रूप में जाना जाता है।
- इस अजीबोगरीब विशेषता की उत्पत्ति रंगाई या गाँठ रंगाई की एक जटिल और कठिन तकनीक से हुई है,**जिसे बुनाई से पहले अलग-अलग ताने और बाने पर 'बंधनी' के रूप में जाना जाता है।**
    - पटोला कपड़ों में **दोनों तरफ रंगों और डिज़ाइन की समान तीव्रता होती है।**
- पटोला शीशम और बाँस की पट्टियों से बने **आदिम हाथ से संचालित हार्नेस करघे पर बुना जाता है।** करघा एक स्लैंट पर स्थित होता है।
    - यह प्रक्रिया श्रम-गहन व समय लेने वाली है और इसके लिये उच्च स्तर के **कौशल एवं विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।**
    - छह गज की एक साड़ी के लिये ताने-**बाने के धागों पर टाई-डाइड डिज़ाइन तैयार करने में तीन से चार महीने का समय लगता है।**
    - जबकि पटोला रखना और पहनना गर्व की बात मानी जाती है,**वहीं इसकी ऊँची कीमत के कारण यह कपड़ा आम लोगों की पहुँच से बाहर रहा है।**
- इस कला के प्रमुख कलाकारों में से एक **पाटन का साल्वी परिवार है।**
- अन्य आमतौर पर पहना जाने वाला **पटोला राजकोट पटोला है, जो एक सपाट करघे पर बुना जाता है।**
- द्वितीय विश्व युद्ध से पहले **इंडोनेशिया पटोला का प्रमुख खरीदार था।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/patan-patola